

गर्मी से संबंधित बीमारी के प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य विभाग के दशा-नरिदेश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में गर्मी के दौरान गर्मी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन की तैयारियों के साथ सभी जिलाधिकारियों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दशा-नरिदेश जारी किये हैं।

मुख्य बंदि:

- **भारतीय मौसम विभाग** के अनुसार, इस गर्मी के दौरान देश के अधिकांश हसिसों में सामान्य से **अधिक तापमान** रहने की संभावना है, खासकर उत्तर प्रदेश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी हसिसों में।
 - विभिन्न संस्थानों ने मार्च और मई 2024 के बीच **बीमारियों के मौसमी प्रकोप की आशंका** जताई है।
 - मार्च से मई 2024 तक देश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में **हीटवेव** की अधिक संभावना है।
- स्वास्थ्य विभाग गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ-साथ उनकी रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करने के लिये अंतर-विभागीय समन्वय स्थापति करेगा।
 - विभाग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर **शीतल एवं स्वच्छ पेयजल** की व्यवस्था करेगा तथा गर्मी से बचाव के लिये आश्रय स्थल उपलब्ध कराएगा।
 - **मौसम के पूर्वानुमान और तापमान** को भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्थापित स्क्रीनों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि स्कूलों में **गर्मी से बचाव पर जागरूकता सत्र आयोजित किये** जाएंगे।
 - विभाग चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं जागरूकता को **प्राथमिकता देगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे इन बीमारियों की तुरंत पहचान करने एवं उनका उपचार करने के कौशल से लैस हैं।**
 - **आवश्यक दवाओं, अंतःशरि तरल पदार्थ, आइस पैक, मौखिक पुनर्जलीकरण लवण और अन्य आवश्यक आपूर्ति** की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
 - गर्मी से संबंधित बीमारियों और उन्हें रोकने तथा प्रबंधित करने के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिये **शैक्षिक सामग्री वितरित की जाएगी।**